

जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज
संस्कृत विभाग

कार्यक्रम	शिक्षण प्रविधि कार्यशाला
दिनांक	14 -08- 2024
वक्ता	प्रथम सत्र - प्रो.भारतेंदु पांडे, प्रोफेसर, संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वितीय सत्र -डॉ. दिलीप जायसवाल, सहायक आचार्य, संस्कृत विभाग, विवेकानंद महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय तृतीय सत्र - प्रो. ओमनाथ बीमली, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय
समय	10:30 प्रातः
स्थान	सभागार कक्ष

दिल्ली विश्वविद्यालय के जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज के संस्कृत विभाग में 14 अगस्त 2024 को प्रातः 10:30 बजे एकदिवसीय शिक्षण प्रविधि कार्यशाला का आयोजन सेमिनार कक्ष में किया गया। यह कार्यशाला तीन सत्रों में आयोजित की गई और प्रत्येक सत्र में विभिन्न प्रमुख वक्ताओं ने शिक्षण प्रविधि के विषय पर महत्वपूर्ण विचार साझा किए।

कार्यशाला का प्रथम सत्र मंगलाचरण के साथ प्रारंभ हुआ। इस सत्र का संचालन डॉ. ज्योति महोदया ने किया, और सभी का स्वागत करते हुए कार्यशाला का शुभारंभ किया। पहले सत्र में प्रो. भारतेंदु पांडे, प्रोफेसर, संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय को आमंत्रित किया गया। प्रो. पांडे ने साहित्य से जुड़े विशेष और महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की और शिक्षण प्रविधि के मुख्य तथ्यों को विस्तार से समझाया। इस सत्र के अंत में डॉ. इंदु सोनी ने धन्यवाद ज्ञापित किया और सत्र का समापन किया।

द्वितीय सत्र में डॉ. दिलीप जायसवाल, सहायक आचार्य, विवेकानंद महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। इस सत्र का संचालन डॉ. ज्योति महोदय ने किया। डॉ. जायसवाल ने संस्कृत आख्यान (Sanskrit Narratology) विषय पर अपने विचार साझा किए और बताया कि इस पाठ्यक्रम को कैसे पढ़ाया जाए। उन्होंने सभी इकाइयों के विषयों पर विस्तार से चर्चा की, जो शिक्षकों के लिए अत्यंत लाभकारी था। इस सत्र के अंत में डॉ. तनुजा रावल महोदया ने धन्यवाद ज्ञापित कर सत्र का समापन किया।

तृतीय सत्र का संचालन डॉ. हर्षबाला ने किया। इस सत्र के वक्ता के रूप में प्रो. ओमनाथ बिमली, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय को आमंत्रित किया गया। प्रो. बिमली ने संस्कृत व्याकरण और दर्शन से संबंधित मुख्य विषयों पर प्रकाश डाला और संवाद के रूप में शिक्षण प्रविधि पर अपने विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने गूढ़ विषयों को सरल और रुचिपूर्ण तरीके से समझाया, जो सभी अध्यापकों के लिए अत्यंत उपयोगी साबित हुआ।

कार्यशाला के अंत में डॉ. हर्षबाला ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया और शांति पाठ के साथ कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन किया। प्राचार्या महोदयाके सुझावों पर आधारित यह एकदिवसीय कार्यशाला शिक्षकों के लिए अत्यधिक लाभकारी और ज्ञानवर्धक सिद्ध हुई, जिसने उनके शिक्षण कौशल को और अधिक सशक्त किया।



जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय

दिल्ली विश्वविद्यालय

नेक द्वारा A+ प्रत्यायित

संस्कृत विभाग

(द्वारा IQAC के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित)

शिक्षण प्रविधि कार्यशाला



10:30 - 12:00

प्रो. ओमनाथ बिमली,
निदेशक, हिन्दू अध्ययन केंद्र, दिल्ली विश्वविद्यालय
एवं
विभागाध्यक्ष, संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय



12:00 - 01:30

डॉ. दिलीप जायसवाल, सहायक-आचार्य
विवेकानंद महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय



02:00 - 03:30

प्रो. भारतेन्दु पाण्डेय, प्रोफेसर
संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय

स्थान : सेमिनार कक्ष

दिनांक : 14 अगस्त, 2024

समय : 10:30 प्रातः से प्रारम्भ

डॉ. हर्षबाला
एसोसिएशन प्रभारी

डॉ. ज्योति
विभागाध्यक्षा

प्रो. पायल नागपाल
(IQAC समन्वयक)

प्रो. स्वाति पाल
प्राचार्या



JANKI DEVI MEMORIAL COLLEGE

UNIVERSITY OF DELHI

A+ accredited by NAAC

Sanskrit Department

in collaboration of IQAC

Organizes

Pedagogy workshop for faculty



10:30 to 12:00

Prof. Om Nath Bimali
Director, Centre for Hindu Studies, DU
&
Head, Sanskrit Department, DU



12:00 to 1:30

Dr. Dilip Jayaswal
Assistant Professor, Sanskrit Department
Vivekananda College, DU



2:00 to 3:30

Prof. Bhartendu Pandey
Professor, Sanskrit Department, DU

Venue : Seminar Room

Date : 14 August , 2024

Time : 10:30 AM onwards

DR. HARSH BALA
ASSOCIATION INCHARGE

DR. JYOTI
TEACHER INCHARGE

PROF. PAYAL NAGPAL
IQAC COORDINATOR

PROF. SWATI PAL
PRINCIPAL



